

Swami Atmapriyananda addresses Seminar on Inclusive Growth in Rural India at IUJ –
March 22, 2021

Morning India
www.sanmarglive.com

Ranchi, Tuesday
23 March 2021

Swami Atmapriyananda addresses Seminar on Inclusive Growth in Rural India at ICFAI University

Valedictory session of the National Seminar on 'Inclusive Growth in Rural India through Self-Help Groups (SHG) & Farmer Producer Organisations (FPO)' was conducted through an online video conference at ICFAI University, Swami Atmapriyananda, Pro Vice-Chancellor, Rama Krishna Mission Vivekananda University, Dr. K.K. Nag, Former Vice Chancellor of Ranchi University, Sri Pardeep Hazari, Special Secretary, Dept. of Agriculture, Animal Husbandry and Co-operation, Government of Jharkhand and Sri S.K. Majumdar, former GDMNABARD were the guest of Honour.

Welcoming the participants at the Valedictory Session, Prof. D. S. Rao, Vice-Chancellor of the University said, "The seminar attracted distinguished academicians, researchers, government policy makers and industry practitioners from diverse sectors from across India. Besides taking stock of the situation with regard to growth of Rural India, the seminar



helped in understanding of the issues and challenges, sharing of real life case studies and best practices and arriving at points of action for implementation.

Highlighting the power of Self-Help Groups (SHG), Sri Pardeep Hazari said, "Today there are over one Crore SHGs operating in India, supporting over 12 crore families. During COVID-19 times, about 1.32 Crore face masks were produced by them". "It is important to integrate their contribution into the value-

chain of Rural Economy", added Sri Hazari. Dr. K.K. Nag advised all the participants to do service to the vulnerable sections of the society so that growth is inclusive.

Recalling the messages of Swami Vivekananda, Swami Atmapriyananda exhorted the participants to live a wholesome life and inculcate the attitude of "giving to the poor". "Besides academics and research, Universities should take up Social Responsibility as an extension activity. Students must be

made aware of the problems of the country and must be encouraged to solve the problems, using their learnings at the University", added Swamiji. He explained how the students of RKV University learn by "living a few days among the villagers" and how that learning is more valuable than learning in the classrooms. He was full of praise to the ICFAI University, Jharkhand for creating awareness among the students and the general public on SHG and FPOs in the context of Inclusive growth of Rural India.

Sri Bakrisha Singh and Dr Vishal Kumar were given the Best Paper award. Congratulating the winners, Dr Hari Haran, who headed the jury, explained the parameters that went into the selection of the best paper.

Prof. Arvind Kumar, Registrar proposed vote of thanks. Dr Bhagabat Barik, Asst Dean and the Seminar co-ordinator and other faculty members and students participated in the event. Ms Tanya Priya, MCA student anchored the event.

इकफाई विवि में ग्रामीण भारत में समावेशी विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, बोले आत्मप्रेमानंद स्वामी विवेकानंद के संदेशों से प्रेरणा लें



संवाददाता
रांची : इकफाई विश्वविद्यालय, झारखंड में सोमवार को ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओएस) के माध्यम से ग्रामीण भारत में समावेशी विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन सत्र का आयोजन किया गया। मौके पर स्वामी आत्मप्रेमानंद ने स्वामी विवेकानंद के संदेशों को याद करते हुए प्रतिभागियों को पूर्ण जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। स्वामी ने ग्रामीण भारत के समावेशी विकास के संदर्भ में एसएचजी और एफपीओ पर छात्रों

और आम जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए इकफाई विश्वविद्यालय, झारखंड की प्रशंसा की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओशरएस राव ने कहा, इस संगोष्ठी में भारत भर के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, सरकार के नीति निर्माताओं और उद्योग चिकित्सकों को आकर्षित किया। ग्रामीण भारत के विकास के संबंध में स्थिति का जायजा लेने के अलावा, संगोष्ठी ने इसके मुद्दों और चुनौतियों को समझने, वास्तविक जीवन के मामलों के अध्ययन और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और

कार्यान्वयन के लिए कार्रवाई के बिंदुओं पर पहुंचने में मदद की। प्रदीप हजारी ने कहा, आज भारत में एक करोड़ से अधिक एसएचजी कार्यरत हैं, जो 12 करोड़ से अधिक परिवारों का समर्थन कर रहे हैं। कोविड-19 के दौरान, उनके द्वारा करीब 1.32 करोड़ फस मास्क तैयार किये गये। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था के मूल्य मंखला में उनके योगदान को एकीकृत करना अहम है। डॉ केके नाग ने सभी प्रतिभागियों को समाज के कमजोर वर्गों की सेवा करने की सलाह दी ताकि विकास समावेशी हो। बालकृष्ण सिंह व डॉ विशाल कुमार को बेस्ट पेपर का पुरस्कार दिया गया। डॉ हरिहरन ने विजेताओं को बधाई देते हुए उन मापदंडों की व्याख्या की जो सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए चर्चानित हुए थे। संचालन छात्रा तन्नु प्रिया, धन्यवाद ज्ञापन प्रो अरविंद कुमार ने दिया।

इकफाई विश्वविद्यालय में 'ग्रामीण भारत में समावेशी विकास' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में स्वामी आत्मप्रियनन्द का सम्बोधन

राष्ट्रीय सागर संवाददाता
रांची : इकफाई विश्वविद्यालय, झारखंड में अहमदाबाद स्थित एन सी ई आर के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओएस) के माध्यम से ग्रामीण भारत में समावेशी विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वामी आत्मप्रेमानंद, डॉ-नुरजहाँ, प्रो. सुष्म सिन्हा विवेकानंद विश्वविद्यालय, रांची के डे. कान, रांची विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति, श्री प्रो. डब्ल्यू. विवेकानंद, कुटी, पट्टाचरण और सरकारी शिक्षक, झारखंड सरकार और डॉ एस के मनुप्रसाद, पूर्व सचिव, कक्षाई कार्यक्रम संस्थान थे।
 विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. ओशर एस राव, वीडियो कॉन्फ्रेंस में प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा, कुलपति समूहों में भारत भर के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, सरकार के नीति निर्माताओं और उद्योग चिकित्सकों को आकर्षित किया। इस



कार्य के विकास के संदर्भ में स्थिति का जायजा लेने के अलावा, संगोष्ठी ने इसके मुद्दों और चुनौतियों को समझने, वास्तविक जीवन के मामलों के अध्ययन और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और

कार्य में अधिक परिणामों का समर्थन कर रहे हैं। कोविड-19 के दौरान, उनके द्वारा करीब 1.32 करोड़ फस मास्क तैयार किए गए थे। डॉ हरिहरन ने कहा कि इसमें अर्थव्यवस्था के मूल्य-मंखला में उनके योगदान को एकीकृत करना अहम है। डॉ केके नाग ने सभी प्रतिभागियों को समाज के कमजोर वर्गों की सेवा करने की सलाह दी ताकि विकास समावेशी हो।

बालकृष्ण सिंह व डॉ विशाल कुमार को बेस्ट पेपर का पुरस्कार दिया गया। डॉ हरिहरन ने विजेताओं को बधाई देते हुए उन मापदंडों की व्याख्या की जो सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए चर्चानित हुए थे। संचालन छात्रा तन्नु प्रिया, धन्यवाद ज्ञापन प्रो अरविंद कुमार ने दिया।

सम्मेलनों को दूर करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद विश्वविद्यालय के छात्र एसएचजी के बीच कुछ दिनों तक सत्र कर रहे हैं और कक्षाई में विजेता की रूपरेखा में यह संकेतक अधिक प्रभावजनक है। स्वामी आत्मप्रेमानंद ने शामिल भाग लेने वाले प्रतिभागियों के समर्थन में एसएचजी और एफपीओ पर छात्रों और आम जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए इकफाई विश्वविद्यालय, झारखंड की प्रशंसा की।
 डॉ बालकृष्ण सिंह और डॉ विशाल कुमार को बेस्ट पेपर का पुरस्कार दिया गया। डॉ हरिहरन ने विजेताओं को बधाई देते हुए उन मापदंडों की व्याख्या की जो सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए चर्चानित हुए थे। संचालन छात्रा तन्नु प्रिया, धन्यवाद ज्ञापन प्रो अरविंद कुमार ने दिया।